ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

भारत मौसम विज्ञान विभाग

गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 10-02-2023

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2023-02-10 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2023-02-11	2023-02-12	2023-02-13	2023-02-14	2023-02-15
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	25.0	24.0	18.0	21.0	21.0
न्यूनतम तापमान(से.)	8.0	6.0	2.0	3.0	5.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	65	90	55	70	80
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	35	25	25	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	8.0	8.0	10.0	7.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	50	20	20	70	30
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	1	0	0	0

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनो में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 18.0 से 25.0 व 2.0 से 8.0 डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0-10.0 किमी/घंटे की गति से मुख्यतः उत्तर-उत्तर-पूर्व व पूर्व -उत्तर-पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 15 से 21 फरवरी के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम तथा अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

आईएमडी मौसम पूर्वानुमान और आपके स्थान की कृषि मौसम संबंधी सलाह अब मेघदूत मोबाइल ऐप पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। कृपया निम्न लिंक से डाउनलोड करें: एंड्रॉ यड: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot आईओएस: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155 भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त एनडीवीआई मानचित्रों ने संकेत दिया कि नैनीताल जिले के लिए एनडीवीआई 0.2-0.45 के बीच है, यानी पिछले हफ्तों में जिले में कृषि स्थिति मध्यम से अच्छी है।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनो में, वर्षा की सम्भावना नहीं है। किसान भाई अपने खेतों में कृषि सम्बन्धी कार्य जैसे-निराई, गुड़ाई व सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
सरसों	आगामी दिनों में वर्षा की सम्भावना नहीं है अतः सरसों में दाना भरने की अवस्था पर आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
बरसीम	बरसीम की यथासमय कटाई करे तथा प्रत्येक कटाई के बाद यथासमय सिंचाई अवश्य करें।

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
मसूर की दाल	चना व मसूर की फसल मे फूल बनते समय 2 प्रतिशत यूरिया के घोल का पर्णीय छिड़काव करे। प्रथम छिड़काव के 10-15 दिन बाद दूसरा छिड़काव करे। प्रति हैक्टर 600-700 लीटर पानी का प्रयोग करे।
गेहूँ	फसल में निराई-गुड़ाई जैसी कृषि संबंधी कार्य करें।
गन्ना	बसन्तकालीन गन्ने की अच्छी फसल हेतु बुवाई माह के द्वितीय पखवाड़े में करें।
फील्ड पी	फलियों में दाना बनते समय खेत में नमी की कमी होने पर पानी की उपलब्धतानुसार सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
सेब	पूर्व में आरक्षित किये शीतोष्ण फल वृक्षो जैसे सेब, नाशपाती, खुबानी, अखरोट आदि फल वृक्षो को लगाने का कार्य प्रारम्भ करे।
भिण्डी	भिंडी की बुवाई हेतु खेत तैयार करें।
शिमला मिर्च	घाटियों में तैयार पौधालय में 1-1.5 किग्रा बीज/है0 की दर से इसकी बुवाई करें।
बैंगन	सिंचित घाटी क्षेत्रों में बैंगन की बुवाई करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेड़	भेड़ व बकरियों में चेचक नामक बीमारी से बचाव हेतु भेड़/बकरी पॉक्स नामक टीका लगवायें।
भेंस	भैंस के 1-4 माह के नवजात बच्चों की आहार नलिका में टाक्सोकैराविट्यूलूरम (केचुआँ/पटेरा) नामक परजीवी पाए जाते है। इसे पटेरा रोग भी कहते है। पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10-15सी0सी0 नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10-15 सी0सी0 नीम का तेल पिला दें। बथुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।